

## मध्य प्रदेश ने केन-बेतवा लकि परियोजना को स्वीकृति दी

### चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश कैबिनेट ने पवतिर शहर के विकास के लिये चतिरकोट विकास की स्थापना को स्वीकृति दे दी और 24,293 करोड़ रुपए की [केन-बेतवा लकि परियोजना](#) को स्वीकृति दे दी।

### मुख्य बंदि:

- अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद चतिरकूट में भी श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। **भगवान राम ने वनवास के 11 वर्ष चतिरकूट में बतियाए थे।**
  - प्रदेश कैबिनेट ने चतिरकूट विकास प्राधिकरण के लिये 20 करोड़ रुपए की स्वीकृति दे दी है।
- **केन-बेतवा परियोजना** से तीन राज्यों- **उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान** को लाभ होगा।
  - यह परियोजना छतरपुर, टीकमगढ़, नवािड़ी, पन्ना, दमोह, सागर, दतिया और वदिशा, शविपुरी, रायसेन के सूखा प्रभावति क्षेत्रों की अतिरिक्त 6,57,364 हेक्टेयर भूमि को सचिाई के दायरे में लाएगी।
  - 44 लाख की आबादी तक पेयजल सुवधि पहुँचायी जा सकेगी।
- कैबिनेट ने मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना के वसितार को भी स्वीकृति दे दी, जसि अब **"प्रधानमंत्री कृषक मतिर सूर्य योजना"** के रूप में लागू कया जाएगा।
- यह योजना केंद्र सरकार की [कुसुम 'B' योजना](#) के तहत जारी दशिा-नरिदेशों के अनुसार मध्य प्रदेश वदियुत विकास नगिम द्वारा क्रयान्वति की जाएगी।

## प्रधानमंत्री कसिान ऊर्जा सुरक्षाम् उत्थान महाभयान योजना (PM-KUSUM)

- इसे मार्च 2019 में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा कसिानों को खेती के लिये सौर सचिाई पंप स्थापति करने हेतु सबसिडी देने के लिये लॉन्च कया गया था।
  - प्रत्येक कसिान को ट्यूबवेल और पंप सेट स्थापति करने के लिये **60% सबसिडी मल्लिगी**।
  - उन्हें कुल लागत का **30% सरकार से ऋण के रूप में** भी मल्लिगा।
- पीएम-कुसुम योजना का **प्राथमकि उद्देश्य** हमारे कसिानों को अत्याधुनकि तकनीक उपलब्ध कराना और कृषि क्षेत्र को डीज़ल रहति सचिाई के स्रोत उपलब्ध कराना है।
- **इस योजना के मुख्य उद्देश्य हैं:**
  - सौर पंप हमारे कसिानों को अधकि प्रभावी और पर्यावरण-अनुकूल सचिाई में सहायता करते हैं क्योकिये सुरक्षति ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम हैं।
  - इसके अलावा, पंप सेट में एक ऊर्जा पावर ग्रिडि शामिल होता है जो डीज़ल चालति पंपों की तुलना में अधकि ऊर्जा उत्पन्न करता है।
  - कसिान अपनी आय बढ़ाने के लिये अतिरिक्त वदियुत सीधे हमारी सरकार को बेच सकेंगे।
- कुसुम में **3 घटक शामिल हैं जनिकी अलग-अलग वशिषताएँ हैं:**
  - **घटक A:** कुल 10GV ग्रिडि-कनेक्टेड स्टलिट-माउंटेड वकिेन्द्रीकृत सौर संयंत्र और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा-आधारति वदियुत संयंत्र स्थापति करना। प्रत्येक संयंत्र का आकार 500 कलिवाट से 2MV तक है।
  - **घटक B:** 7.5 HP तक वयक्तगित क्षमता और 17.50 लाख मूल्य के स्टेड-अलोन सौर पंप स्थापति करना।
  - **घटक C:** प्रत्येक 7.5 HP क्षमता के सोलारसि 10 लाख ग्रिडि से जुड़े कृषिपिंपों को वतितीय सहायता प्रदान करना।

